भारत और इज़रायल ने द्वपिक्षीय नविेश समझौते (BIA) पर हस्ताक्षर कयि

स्रोत: पी. आई.बी.

चर्चा में क्यों?

भारत और इज़रायल ने एक नई द्वपिक्षीय नविेश संधपिर हस्ताक्षर कयि हैं, जसिसे इज़रायल भारत के **नए नविेश संधमिॉडल को अपनाने वाला पहला OECD देश** बन गया है।

- यह भारत और इज़राइल के बीच **1996 में हस्ताक्षरति पुराने द्वपिक्षीय नविेश समझौते (BIT)** का स्थान लेता है, जसि वर्ष **2017 में समाप्त कर दयिा गया था**।

द्वपिक्षीय नविेश समझौता (BIA) क्या है?

- **परचिय:** द्वपिक्षीय नविेश समझौता (BIA) दो देशों के बीच एक-दूसरे के क्षेत्रों में वदिेशी नजिी नविेश को बढ़ावा देने एवं उसकी सुरक्षा करने के लयि कानूनी समझौते हैं।
    - BIT नविेशकों को अधकिार प्रदान करते हैं, जसिसे उन्हें **नविेशक-राज्य ववािद नपिटान (ISDS) तंत्र** के माध्यम से, या गृह राज्यों को राज्य-दर-राज्य ववािद नपिटान के माध्यम से उपाय प्राप्त करने की अनुमतमिलिती है।
    - **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय** के **अनुच्छेद 38(1)(a)** के तहत अंतर्राष्ट्रीय दायत्विों के **प्राथमकि स्रोत के रूप में मान्यता प्राप्त** है।
- **भारत का BIT वकिास:** पुराने मॉडल BIT (1993) को **नए मॉडल BIT (2015)** द्वारा प्रतसि्थापति कयिा गया और हाल ही में **उज़्बेकस्तिान (2024), UAE (2024) और करि्गज़िस्तान (2025)** के साथ BIT पर हस्ताक्षर कयि गए।
- **भारत-इज़राइल BIT की मुख्य वशिेषताएँ:**
    - **नविेश में वृद्ध:ि** यह समझौता वर्तमान में लगभग **800 मलियिन अमेरकिी डॉलर** मूल्य के द्वपिक्षीय नविेश को और बढ़ाने की संभावना रखता है।
    - **संतुलति नविेशक संरक्षण:** यह समझौता नविेशकों को **सरकार द्वारा उनकी संपत्तयिों** के अधग्रिहण (Expropriation) या राष्ट्रीयकरण (Nationalization) के जोखमि से सुरक्षा प्रदान करता है और यह सुनश्चिति करता है कयिदऐिसी कोई कार्रवाई की जाती है, तो नविेशकों को **न्यायसंगत और शीघ्र मुआवजा** दयिा जाए।
    - **ववािद समाधान:** इसमें **ववािदों के नपिटारे के लयि मध्यस्थता आधारति प्रणाली** (Arbitration-Based Mechanism) शामलि है, जो एक **स्थरि और वश्विसनीय नविेश माहौल** को बढ़ावा देती है।
    - **पारदर्शतिा और पूर्वानुमान:** सरकारों को स्पष्ट और पूर्वानुमान योग्य नविेश नीतयिाँ व वनियिम बनाए रखने की आवश्यकता होती है, जसिसे **अनश्चितिता में कमी** आती है और **नविेशकों का वश्विास** मज़बूत होता है।

मॉडल BIT 2015

- **परभिाषा और संरक्षण:** यह समझौता नविेश को उस उद्यम के रूप में परभिाषति करता है जसि**नविेशक द्वारा मेज़बान देश के घरेलू कानूनों के अनुसार ईमानदारी से स्थापति, संगठति और संचालति** कयिा गया हो।
    - **प्रत्येक पक्ष को नविेश और नविेशकों को पूर्ण संरक्षण तथा सुरक्षा** प्रदान करने की आवश्यकता है।
    - यह सुनश्चिति करता है क**िवदिेशी नविेशकों को घरेलू कंपनयिों के समान व्यवहार** दयिा जाए।
    - यह मेज़बान देश की वदिेशी नविेश पर नयिंत्रण रखने की क्षमता को सीमति करता है।
- **अपवर्जन खंड (Exclusions Clause):** यह सरकारी खरीद, कराधान, सब्सडिी, अनविार्य लाइसेंस और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों को **द्वपिक्षीय नविेश समझौते (BIT)** की बाध्यताओं से **बाहर** रखता है।
- **ISDS प्रणाली:** इसके तहत वदिेशी नविेशकों को अंतर्राष्ट्रीय नविेश ववािद समाधान (ISDS) प्रक्रयिा अपनाने से पहले कम-से-कम **5 वर्षों** तक स्थानीय उपायों (Local Remedies) को पूरी तरह उपयोग करना अनविार्य है।

समय के साथ भारत और इज़रायल के बीच द्विपक्षीय संबंध कैसे विकसित हुए हैं?

- **राजनयिक संबंध:** यद्यपि **भारत ने वर्ष 1950 में इज़रायल को आधिकारिक तौर पर मान्यता** दे दी थी, लेकिन दोनों देशों ने 29 जनवरी, 1992 को ही पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किये।
- **आर्थिक संबंध: भारत और इज़रायल** के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2023-24 में **6.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर** (रक्षा को छोड़कर) तक पहुँच गया, जिसमें भारत व्यापार अधिशेष बनाए रखेगा।
- **नवाचार और प्रौद्योगिकी: भारत-इज़राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार निधि (I4F) (2023-2027)** जैसी पहलों का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान तथा तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना है।
- **क्षेत्रीय सहयोग:** भारत, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका को शामिल करते हुए **I2U2 साझेदारी** ने क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करने के लिये **वर्ष 2022 में अपना पहला शिखर सम्मेलन** आयोजित किया।
- **रक्षा सहयोग:** भारत इज़रायल से **हथियारों का सबसे बड़ा आयातक देशों में से एक** है, जो इज़रायल की वार्षिक हथियार निर्यात का लगभग **40%** का योगदान देता है।
    - दोनों देशों ने **बराक-8 मिसाइल प्रणाली** का संयुक्त विकास किया है, और भारत नियमित रूप से **इज़रायल** के **हाइफा बंदरगाह** पर रुकता है।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम:** सहयोग सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों, स्वास्थ्य और चिकित्सा सहयोग तथा कृषि एवं जल संसाधन प्रबंधन पर समझौता ज्ञापनों तक विस्तारित है।

LEBANON
Mediterranean Sea
Golan Heights
Safed
SYRIA
Haifa
Tiberias
Nazareth
Sea of Galilee
Jenin
Tulkarm
Netanya
Samaria
Jordan River
Nablus
West Bank
Tel Aviv
Ramallah
Jericho
Ashdod
Jerusalem
Ashkelon
Bethlehem
Hebron
Sderot
Gaza City
Judea
Dead Sea
Rafah
Gaza
Beersheba
JORDAN
ISRAEL
25 mi
SCALE
EGYPT
Eilat

भारत के BIT ढाँचे के सामने प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं, तथा उनके समाधान के लिये उपाय सुझाइये?

चुनौतियाँ	सुझाए गए उपाय
"निवेश" और प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कानून (Customary International Law - CIL) जैसे शब्दों में अस्पष्टता के कारण विवाद उत्पन्न होते हैं।	"निवेश" और "प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कानून (CIL)" जैसे शब्दों को **स्पष्ट तथा सटीक रूप से परिभाषित करना** चाहिये, ताकि कानूनी अस्पष्टताओं को कम किया जा सके।
स्थानीय उपायों को पूर्ण रूप से अपनाने की अनिवार्यता के कारण **विवाद समाधान में देरी** होती है।	निवेशकों को प्रारंभ में ही **स्थानीय न्यायालयों** या **अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता** में से किसी एक का चयन करने की अनुमति दी जानी चाहिये।
सर्वाधिक वरीयता प्राप्त राष्ट्र (MFN) और निष्पक्ष एवं समतामूलक व्यवहार (FET) को बाहर रखने से निवेशकों का विश्वास कम हो जाता है।	**MFN** और **FET** प्रावधानों को ऐसे **सुरक्षा उपायों** के साथ शामिल किया जाए, जो **संधि दुरुपयोग (Treaty Shopping)** को रोकें, जबकि **गैर-भेदभाव (Non-Discrimination)** सुनिश्चित किया जा सके।
ICSID कन्वेंशन से बहिष्कृत किये जाने से विदेशी निवेशकों के लिये प्रवर्तन विकल्प सीमित हो जाते हैं।	**ICSID** (अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निपटान केंद्र) का **हस्ताक्षरकर्ता** बनना चाहिये ताकि **निवेशकों के विश्वास** को बढ़ाया जा सके और एक **वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त विवाद समाधान प्रणाली** प्रदान की जा सके।

निष्कर्ष:

इज़राइल के साथ हाल ही में हस्ताक्षरित **द्विपक्षीय निवेश समझौता (BIT)** भारत की **बदलती रणनीति** को रेखांकित करता है, क्योंकि इज़राइल **पहला OECD देश** बन गया है जिसने भारत के **नए संधि मॉडल** को अपनाया है। यह समझौता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है, जिससे निवेशकों को **अधिक स्पष्टता तथा सुरक्षा** मिले, साथ ही भारत का **विनियमन का अधिकार** भी बना रहे।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

??????????

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित पद "टू-स्टेट सोल्यूशन" किसकी गतिविधियों के संदर्भ में आता है? (2018)

(a) चीन

(b) इज़राइल

(c) इराक

(d) यमन

उत्तर: (b)

?????

प्रश्न. "भारत के इज़रायल के साथ संबंधों ने हाल ही में एक ऐसी गहराई और विविधता हासिल की है, जिसकी पुनर्वापसी नहीं की जा सकती है।" विवेचना कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-israel-sign-bilateral-investment-agreement-bia